आओ चलें सम्पूरणता की और .....

04 / 11 / 14 की मुरली से

- स्वमान :-

√ मैं आत्मा फ़रिश्ता सो देवता हूँ ।

- गुण / धारणा / अभ्यास पर अटेंशन :-

√ गुण दान

- बाबा से सम्बन्ध का अनुभव :-

√ सतगुरु

- मनन चिंतन :-

√ कल बापदादा आ रहे हैं | आत्मा और परमात्मा के इस महामिलन का सम्पूरण रूप से सुख अनुभव करने के लिए हमें किन बातों पर विशेष रूप से अटेंशन देना चाहिए ?

@ शिवभगवानुवाच :-

→_→ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

- होमवर्क :-

- Total Marks :- 50 -

- पॉइंट 1 To 7 के 5 मार्क्स हैं -

- पॉइंट 8 के 15 मार्क्स हैं -

(1) इन आँखों से जो कुछ दिखाई देता है... इन्हें देखते हुए भी न देखने का अभ्यास किया ?

(2) इच्छा मातरम् अविध्या की अवस्था बनाये रखी ?

(3) पवित्रता की धारणा पर विशेष अटेंशन रहा ?

(4) अपना करैक्टर सुधारने पर विशेष अटेंशन रहा ?

(5) एक दो को दिव्य गुणों की टोली खिलाई ?

(6) फ़रिश्ता सो देवता बनने का लक्ष्य स्मृति में रहा ?

(7) आज पूरा दिन योग रुपी कवच को पहने हुए माया रुपी दुश्मन के वार से बचकर रहे ?

(8) बापदादा की 12/10/2014 की अव्यक्त मुरली को अच्छे से रिवाइज किया ?

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

● मनन चिंतन :-

√ कल बापदादा आ रहे हैं | आत्मा और परमात्मा के इस महामिलन का सम्पूरण रूप से सुख अनुभव करने के लिए हमें किन बातों पर विशेष रूप से अटेंशन देना चाहिए ?

- बेहद की एकरस स्थिति बनाए रखे।
- स्वर्ग का रचयता व् मालिक बेहद का बाप स्वयम अपने बच्चो से मिलने आ रहे है - इस बेहद के रूहानी नशे में स्थित रहे।
- लोकीक के संबंध ज़िम्मेदारी व् सब ज़मेलो को महत्त्व न देकर के सिर्फ बाप और बच्चो के इस महामिलन का सम्पूर्ण रूप से सुख का अनुभव करने के लिए बाकी सब बातो को भूल केवल बेहद के बाप की रूहानी यादो में खो जाए।
- लोकीक में सब भगवान् को मिलाने मंदिर जाते है लेकिन हम बेहद के बाप से स्वर्ग की रजाई प्राप्त करने वाले बच्चो से स्वयम भगवान मिलने आ रहे है के इस ब्राह्मण बच्चो के रूहानी भाग्य को सदेव स्मृति में रख हर्षितमुखता धारण करें

ॐ शांति।